OSDAV Public School, Kaithal
First Unit Test (May,2024)
Class : XII
Subject : Hindi

SET-A

Time: 1 hr **M.M. : 30**

General Instructions:-

I. All questions are compulsory.

Q.No.	Questions	Marks
1	प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (5) भक्तिन और मेरे बीच में सेवक स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता ,जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हंस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर में बारी-बारी से आने जाने वाले अंधेरे उजाले और आंगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख -दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए हैं। 1. प्रस्तुत गद्यांश की लेखिका का नाम बताओ- क. सुभद्रा कुमारी चौहान ख. महादेवी वर्मा ग. सरोजिनी नायडू घ. मन्नू भंडारी 2. भक्तिन लेखिका के घर में किसका काम करती थी? क. डॉक्टर का ख. वकील का ग. सलाहकार का घ. सेविका का 3. लेखिका द्वारा भक्तिन को नौकरी से निकालने की बात सुनकर भक्तिन- क. रो पड़ती थी ख. लेखिका के पैर पकड़ लेती थी ग. हँस पड़ती थी घ. घर से बाहर निकल जाती थी 4. भक्तिन की जेठानियों ने कैसे पुत्रों को जन्म दिया? क. तोते जैसे ख. कोयल जैसे ग. सर्प जैसे घ. काकभुशुंडी जैसे 5. छोटी बहू भक्तिन ने कौनसी लीक तोड़ी? क. बेटों की जगह बेटियाँ पैदा करने की ख. बेटियों के को न पढ़ाने की ग. बेटियों से घर का काम कराने की घ. इनमें से सभी विकल्प	1*5=5
2	प्रश्न -2निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (5) बच्चे प्रत्याशा में होंगे, नीड़ो से झाँक रहे होंगे? यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है। दिन जल्दी जल्दी ढलता है। मुझसे मिलने को कौन विकल? मैं होऊँ किसके हित चंचल? यह प्रश्न शिथिल करता पद को ,भरता उर में विह्वलता है। दिन जल्दी जल्दी ढलता है। 1. लौटते पक्षियों को क्या महसूस होता है? क. बच्चों द्वारा घोंसलों से झाँकना ख. बच्चों द्वारा उनकी राह देखना ग. शिकारी द्वारा राह देखना घ. विकल्प कऔर ख 2. बच्चों के मन में क्या आशा है? क. पक्षियों के नहाने की ख. पक्षियों के उड़ने की ग. पक्षियों के लौटने की घ. पक्षियों के गाने की	1*5=5

	3. पक्षियों में कौन सा विचार चंचलता भरता है? क. बच्चों को उनके आने की प्रत्याशा ख.बच्चों का आजाद घूमना ग. बच्चों का आपस में झगड़ा करना घ. बच्चों का दिन भर सोना 4. दिन कैसे व्यतीत हो रहा है? क. धीरे-धीरे ख. शीघ्रता से ग. रुक रुक कर घ. विलंब से 5. बच्चों के प्रति पक्षियों में किस भाव का वर्णन किया गया? क. उत्साह ख. जोश ग. वात्सल्य घ.विछोह	
3	[17] वैदिक युग भारत का प्रायः सबसे अधिक स्वाभाविक काल था। यही कारण है कि आज तक भारत का मन काल की ओर बार-बार लोभ से देखता है। वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्णकाल कहते थे या नहीं, यह हम नहीं जानते, किंतु उनका समय हमें स्वर्णकाल के समान अवश्य दिखाई देता है लेकिन जब बौद्ध युद्ध का आरंभ हुआ, वैदिक समाज को पोल खुलने लगी और चिंतकों के बीच उसकी आलोचना आरंभ हो गई। बौद्ध-युग अनेक दृष्टियों से आज के आधुनिकता-आंदोलन के समान था। ब्राह्मणों की श्रेष्ठता के विरुद्ध बुद्ध ने विद्रोह का प्रचार किया था, जाति-प्रथा के बुद्ध विरोधी थे और मनुष्य को वे जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम मानते थे। नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार देकर उन्होंने यह बताया था कि मोक्ष केवल पुरुषों के ही निमित्त नहीं है, उसकी अधिकारिणी नारियाँ भी हो सकती हैं। बुद्ध की यह सारी बातें भारत को याद रही हैं और बुद्ध के समय से बराबर इस देश में ऐसे लोग उत्पन्न होते रहे हैं, जो जाति-प्रथा के विरोधी थे, जो मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम समझते थे। किंतु बुद्ध में आधुनिकता से बेमेल बात यह थी कि वे निवृत्तिवादी थे, गृहस्थी के कर्म से वे भिक्षु-धर्म को श्रेष्ठ समझते थे। उनकी प्रेरणा से देश के हजारों-लाखों युवक, जो उत्पादन बढ़ाकर समाज काभरण-पोषण करने के लायक थे, संन्यासी हो गए। संन्यास की संस्था समाज-विरोधिनी संस्था है। प्रश्न (क) वैदिक युग स्वर्णकाल के समान क्यों प्रतीत होता है? (ख) जाति-प्रथा एवं नारियों के विषय में बुद्ध के विचारों को स्पष्ट कीजिए। (ग) बुद्ध की कौन-सी बात आधुनिकता के प्रसंग में ठीक नहीं बैठती ? (घ) संन्यास की संस्था से समाज को क्या हानि पहुँचती है? ङ) दिए गए गद्यांश का उपयुक्त (शीर्षक दीजिए। (च) वैदिक काल की पोल कब खुली ? (छ) नारी को भिक्षुणी बनने का अधिकार किसने दिया?	**1*6**
4	क) शीतल वाणी में आग के होने का क्या अभिप्राय है? ख) भक्तिन अपना असली नाम किसी को क्यों नहीं बताती थी? ग) भक्तिन का चरित्र चित्रण कीजिए। घ) लेखक ने पाठ में संकेत किया है कि कभी-कभी बाजार में आवश्यकता ही शोषण का रूप धारण कर लेती है क्या आप इस विचार से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए। च) बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है?	**2*5=10**
5	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें हो दोस्त या कि यह दुश्मन हो हो परिचित या परिचय-विहीन तुम जिसेसमझते रहे बड़ा या जिसे मानते रहें दीन यदि कभी किसी कारण से उसके यश पर पड़ती दिखे धूल तो सख्त बात कह उठने की रे, तेरे हाथों हो न भूल। मत कहो कि यह ऐसा ही था	**4**

	मत कहो कि इसके सौ गवाह यदि सचमुच ही वह फिसल गया या पकड़ी उसने गलत राह- तो सख्त बात से नहीं, स्नेह से काम जरा लेकर देखो अपने अंतर का नेह अरे देकर देखो। कितने भी गहरे रहें गर्त हर जगह प्यार जा सकता है कितना भी भ्रष्ट जमाना हो हर समय प्यार भा सकता है जो गिरे हुए को उठा सके इससे प्यारा कुछ जतन नहीं दे प्यार उठा पाए ना जिसे इतना गहरा कुछ पतन नहीं । देखे से प्यार भरी आंखें दुस्साहस पीले होते हैं हर एक धृष्टता के कपोल आँसू से गीले होते हैं । तो सख्त बात से नहीं स्नेह से काम ज़रा लेकर देखो अपने अंतर का नेह अरे ,देकर देखो। (क) गलत राह पर चल रहे व्यक्ति को यही राह पर लाने का क्याथान है? (ख) प्यार की शक्ति के बारे में कवि की क्या मान्यता है? (ग) आशय स्पष्ट कीजिए-हर एक धृष्टता के कपालीले होते हैं। (घ) अंतर का स्नेह बाँटने से व्यक्ति के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?	